

DPN 6747

देवी माहात्म्ये मधुकैतवधकथा
DEVĪ MAHĀTME MADHU KAITABHA VADHA KATHĀ

Title :

Run. No. 7472

Cat. No. 33

Micro. No.

Subject धार्मिक कथा Religious story Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 19.5 x 6.8

Folios 14

Lines (in a page)

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place त्रैलोक्य (त्रैलोक्य) मल्ल नृपति

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : भक्तगुल Trailokeya Malla

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

लिप्याली : बुद्धी दुर्गाचरित पद्धति ३ ५। Bhaktapur

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

This codex also contains Durgārcana
Paddhati-Text. ४

Beginning, colophon, post-colophon :

[ॐ नमः] चण्डिकायै ॥ ॐ अस्मि सप्तसप्तिका प्रथम वीरस्य श्रद्धा नृपतिः गाम्भी दन्द महाकाली
देवता रक्त ...

समाप्ति वाक्य / colophon -

इति श्री मारुण्डेय पुराणे सावर्णिक् मन्वन्ते देवी महात्म्ये नमो नमः ॥

श्रीदेवीमाहात्म्यमधुकेतभवधक्था



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सुधासुधा सुधासुधा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
सुधासुधा सुधासुधा

॥ शुभुकोये ॥ ॐ नमः सफसति काय थमव विग सवक्का मधि १ गायत्री कुं मला काली दवता नक
ता दीर्जन नक जाग कि १ मृगित र्व सर्व कृ ग न म नार्थ मरी रुत लया द्यार्थ जय दि निया ग ॥ ॥
॥ ॐ य उवाच ॥ साव द्धि १ मृगित नया यो म नू १ कथं न म ध नि ग म य न द्ध ल कि वि सु वा इ द ता म
म ॥ मला मा या नू न द न य थ म क वा धि य ॥ सव रु व म ला ग ग सा व लि सु न या न व १ सा वा वि य क न य वृ क्ति
न र्व न म मू द व १ मृ न ॥ थ नो म न ॥ जा रु त म म क कि ति म गु ल ॥ त स्या दा ल य न स म सा य १ जा १ य १ ग नि वी न सा
ना व रु व १ न ग वा रु या काला वि ध मि व रु धा ॥ त स्या ते न रु व द्ध रु म गि य व ल द धि न १ शु ने न पि नो र्थ द्ध
काला वि ध मि रि जि ध ग न १ स्य य न मा या ना नि ज द सा धि या रु व न् ॥ ग्रा वा क स म ला ग ग म क द य व ला नि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

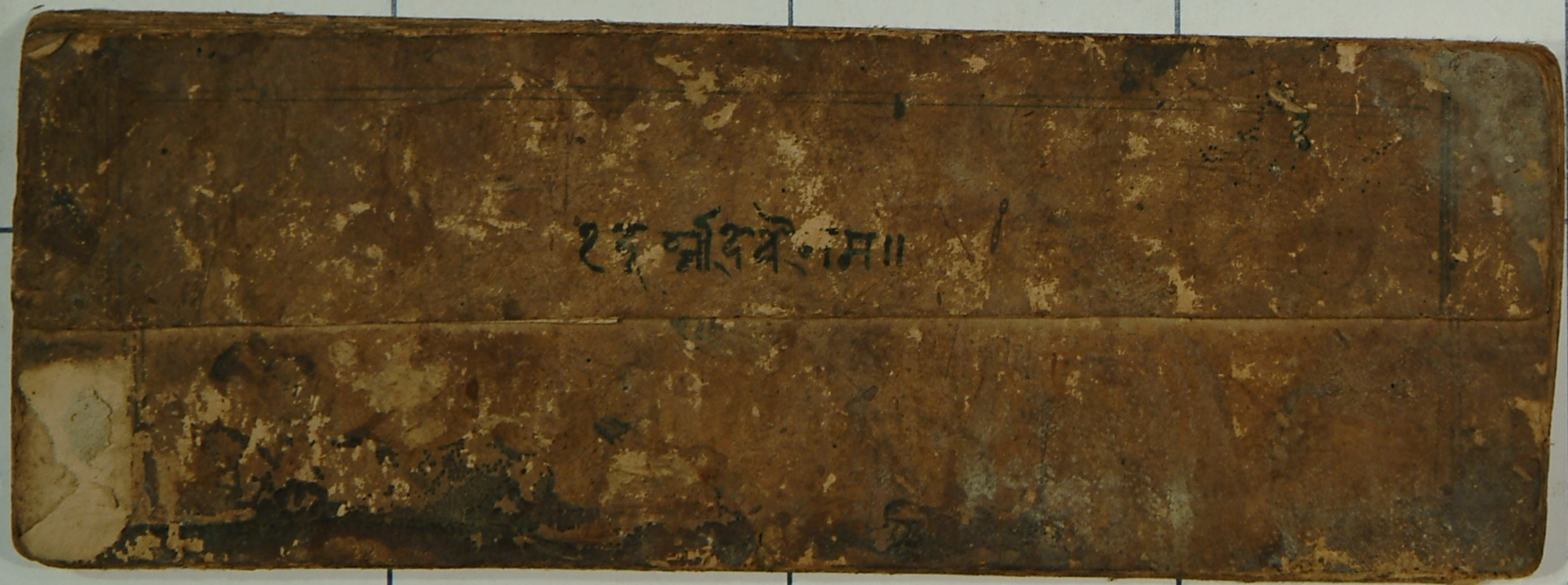
५२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible][illegible]

[illegible]

कवकावनासमालियनामिनिजगव ॥ ॥ श्रीरगवानुवाच ॥ रुवनाममममुहोममव ॥
 वरुवापि किमनीनववववगुनगावद्विवर्गमया ॥ ॥ अथिवुवाच ॥ वज्रिगाथांमिनिगदा
 सर्वसाधामयजग ॥ विलाकुगाथांगदितारुगवद्वकामलक ॥ ४ ॥ यीनीस्वस्वयुद्धनदी
 अस्त्वमृत्तुनावथा ॥ ४ ॥ आवांजरिनयगावी ॥ निलनयजियुगा ॥ ॥ अथिवुवाच ॥ गद्य
 यद्वा रगवनांस्वयकगदाहृगा ॥ कलावकद्वेद्विज्जद्वेन ॥ निवसीगथा ॥ ४ ॥ नवमया
 समस्तनावकलासंस्तुगास्यया ॥ यरावमसायद्यासुद्वय ॥ ४ ॥ वदामिग ॥ ॥ ६ ॥ निदी
 मार्का ॥ ६ ॥ ययुवा ॥ ६ ॥ सोवविुकमद्वकनवदामा ॥ लात्तामधुकोटरवध ॥ ४ ॥ अथिवुवाच ॥



१. या सकुमन ॥ जूयुषा प्र ॥ मीयुलीत धादन नर ॥ जूयुषा नामि
का

२. रुकुलप्रिय यमवद्य साकवम नयव । वायथयय सन्यास
मद्यसौर्य विधीयते ॥ अंक कायक उकाववा ॥ ४ दलीद
नामवैजयन्त । नियमनयवदालस्य वा नीयथयी
द्रुमेलकागनस्य ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

५२

५२

ॐ नमो १॥ गी ॥ सायनमः ॥ कथा ॥ आमुः ॥ चन्दनयुष
नय ॥ नामि य ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ विद्याय नमः ॥
स्वाहा ॥ ॐ धियाय नमः ॥ स्वाहा ॥ नामि ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ४
ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १॥
ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १॥
ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १॥
ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ॐ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ १॥

श्री ४

विष्णुस २॥ दुर्घाविखाये २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥ म्यादानः
नृकयाय २॥ मल्लनकुम्भाय २॥ द्वा २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥ नृक
द्वपाय २॥ दुर्घादि २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥
नृकलिकुत्तमाय २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥
नृकलिकुत्तमाय २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥
नृकलिकुत्तमाय २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥
नृकलिकुत्तमाय २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥ नृकलिकुत्तमाय २॥

यश॥ ॐ सिंहासनाय नमः॥ आयातु नृदि॥ ध्यान॥ सिंदरुगुणं
 छास्व नाम यकाटयस्त्राय वरिष्ठं ४० ॥ ४० ॥ स्वयं कथं नृ ४० ॥
 धृदधनी भर्तुमिच्छि ४॥ ४० ॥ आसु कान्दयदाय ककदा
 वलनकाकी वलनयुवाद्मो इति नितानि रव रवथा वनि
 सत्कुलुला॥ ॐ निष्ठाया आयातु यन् ॥ ४० ॥ ४० ॥
 ॐ दा गायु २ ॐ हनिष्ठ ॥ ४० ॥ ४० ॥ ४० ॥ ४० ॥ ४० ॥

[illegible]

आवाहनादि॥ धृ य श॥ दी य श॥ ने व द्य र्वा मूल न जा य ज॥ म
 ल द य कं॥ सा र॥ कुं न म ध दि का य॥ कुं जा द वी म ध कं ठ र
 य म ध नी या य लु म लु म ध नी य म॥ धा म दि धा म न क य क नी
 या व क वी ङा ङ या॥ या सा धुं रु नि र्गुं रु दे ख द ल नी या द वि
 द वा ङ र॥ सा द वी म म न क द दि णा नु र्गुं ध लु म क या न क रु
 ॥ य र्वा म रु म दि धा म न दान ङा लं ली न य स र्व उ ग नी
 र्गुं द य॥ र्म ग ना का लि रु द को ली क वा लि नि॥ दु र्ग क मा णि वो णि॥ स्व क स
 का न मा मु ग ॥ २॥

[illegible]

ॐ नमः॥ श्रीगणेशाय नमः॥ गावागुगायत्री देवमागुगनका
मयनायजकना जलोमायजकदवा सक्रायकाम
समाधन यलोमादवागुगनजकन यजक सासोकाम
॥ समुद्धन श्रीगणेश ॥ ग्राष्टु ॥ लिङ्गनादवा ॥ ग्राष्टु ॥ लिङ्गनादवा
यसकानलीमः॥ ये कारिन् या द्वादशरुदकि द्वादशमासाः
समस्तसमस्तस नमि यावानमि यावत्यस्य मागा तावमेव

ददद्विषाग सुजः॥ क्वासिष्टा ग्राष्टेनमरियदवा जयनि
क्वासिक्वायं जयमाना सिन्नायगमय जयाय धुरिन्
यादिकि ॥ यष्टु रिचि वि विर्यं कामं दामयन सासोकामः
समष्टुर्गं ॥ १ ॥ कन्याः ववद ॥ प्रवाकन्याः ववद रुज
वुनागनयेतुं ॥ साग्रायिग्राजाना कृतिवाकणीमियगुः
सामः ॥ यन यगु यहाष्ट नस्य आवा कृतिगल्यववर्कः

[illegible]

ॐ ह्रीं सदा निवाय स्वाहा ॥ ॐ श्रीं क्रीं क्लीं लोमं गंगलपतय वर वनद सर्वजनै भव न मानय ॥
ॐ ह्रीं स ४ मदादूने वल्लिका ह्याय लि स्वाहा ॥

सहस्रनामस्तोत्रं नामाग्रयणविद्महे वासुदेवाय धीमहि गन्नाव
प्रादयाग ॥ आदिनामाग्रयणमन्त्रं ॥ ॐ कौण्डिन्यनूत्तमेव कुरु
अथ नमः ॥ सुकृत्या ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ कौण्डिन्यनूत्तमेव कुरु ॥ न कवर्धुमाता न कवपयस्व धनिना ॥

सफास्व नृधमा नृराग्र नृनामस्तोत्रं ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ध्यानं ॥ ॐ श्वता वृत्तास्व नृपाङ्ग ॥ श्वता
नृनक्षत्रविता ॥ पूरुकादिमालरुक्ता वैश्ववृद्धास नृसुता ॥
ध्यानपूर्णनमः ॥ वेद ॥ ॐ श्वतपयस्कां प्रकवकुङ्कुड
नामिमातर्वाक्कां पातस्कांसिद्धिदायिणां ॥ ॥